

अटल बिहारी
वाजपेयी
हिन्दी विश्वविद्यालय
भोपाल



प्राथमिक स्तर पर इलाज करने में सहायक बुनियादी चिकित्सा
डिप्लोमा हेतु प्रवेश सूचना

प्रवेश प्रारम्भ सत्र-2023-24

अध्ययन केन्द्र त्रिलियन्ट बहुउद्देशीय संस्थान समिति

कोड क्रमांक- 261- रायसेन, 308- भोपाल, 307- विदिशा, 306-मंदसौर, 309-खण्डवा,
310- सागर, 558-मुरेना, 559-टीकमगढ़, 560-रीवा, 562- अनूपपुर, 563-मंडला, 564- जबलपुर, 565- राजगढ़

प्रवेश हेतु खोलें - website - ataljyoti.com

मुख्य कार्यालय -8 आधार शिला, अवधपुरी पुलिस थाना के पास, 80 फिट रोड, अवधपुरी, भोपाल
संपर्क- 0755-4249082, 8839381223, 6264702103, 9691517151,
8989612956, 8839151913, 9981395906, 9109021037, 9171461037



QR For Admission



पाठ्यक्रम

- आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण पीजी डिप्लोमा
- आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण डिप्लोमा
- इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा
- प्राथमिक चिकित्सा उपचार डिप्लोमा
- अस्पताल प्रबंधन डिप्लोमा



विश्वविद्यालय की स्थापना:

02 दिसंबर 2011 मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा सर्व समिति से अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना विषयक विधेयक पर हस्ताक्षर कर विश्वविद्यालय अधिनियम को स्वीकृति प्रदान की। 19 दिसंबर 2011 को मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) मध्यप्रदेश अधिनियम क्र. 34, सन 2011 द्वारा गजट में प्रकाशन के बाद अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तथा यह अधिनियम 21 दिसंबर 2011 से प्रभावी माना गया।

विश्वविद्यालय के लक्ष्य :

विश्वविद्यालय में शिक्षण और प्रशिक्षण की ऐसी प्रविधियों की संरचना हो, जिससे गुरु-शिष्य परंपरा के आधार पर व्यावहारिक निपुणताओं को आगे बढ़ाया जा सके तथा योजनालाबद्ध शिक्षण प्रशिक्षण, प्रदर्शन की अत्याधुनिक प्रविधियों, संग्रहण, सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण, श्रेष्ठ-भाषाविदों के सान्निध्य एवं सहयोग से जिज्ञासुओं का मार्गदर्शन किया जा सके। हिंदी सहित समस्त भारतीय भाषाओं को उनकी प्रामाणिकता और बौद्धिक क्षमता तथा उसमें निहित आध्यात्मिक बोध के जरिए एक सूत्र में इस तरह पिरोया जाए कि अपनी महान विरासत का ज्ञान विद्यार्थियों को हो सके और उसमें लगातार प्रयोग तथा परिशोध का कार्य भी होता रहे। केन्द्रीय सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी वैचारिक परिकल्पना पर आधारित है।

इस विश्वविद्यालय में अन्य भाषाओं के श्रेष्ठ ज्ञान को हिंदी भाषा में अनुमोदित कर उसके-प्रचार प्रसार किये जाने का कार्य हो तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान बने। विश्वविद्यालय एक ऐसी अनूठी पहल के रूप में देश-विदेश के सामने आए, जिससे भारत की अनोखी सांस्कृतिक विरासत और लगातार हजारों वर्षों से संपोषित एवं सृजनरत संस्थाओं को पुनर्जीवित कर उनके मूलपाठ को वर्तमान संदर्भों में दुनिया के सामने लाया जा सके। इसके अतिरिक्त भारतीय भाषाओं में रुचि लेने वाले शोधार्थियों के लिए भी पर्याप्त समर्थन दिए जाने का प्रयत्न हो सके।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य:-

अधिनियम-2011 के अनुसार विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को अध्यापन, प्रशिक्षण, ज्ञान की वृद्धि और प्रसार के लिए तथा विज्ञान, साहित्य, कला और अन्य विद्याओं में उच्च स्तरीय गवेषणा के लिए शिक्षण का माध्यम बनाना है। उपर्युक्त उद्देश्यों की व्यापकता को प्रभावित किए बिना, विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित हैं:-

- विज्ञान, साहित्य, संस्कृति, कला, दर्शन व अन्य विद्याओं के अध्ययन तथा गवेषणा को प्रोन्नत करना एवं संकलित करना व संरक्षित करना।
- हिंदी भाषा में शिक्षा और ज्ञान को प्रोन्नत करना, उसका प्रसार करना तथा इस प्रयोजन की पूर्ति के लिए अन्य भाषाओं से अनुवाद करना, प्रकाशन करना, दृश्य और दूरस्थ शिक्षा का उपयोग, सूचना प्रौद्योगिकी और रोजगार की प्रत्येक संभावनाओं को विकसित करना तथा उनको संचालित करना।
- हिंदी भाषा के ज्ञान को प्रोन्नत करने के लिए अभिभाषणों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, परिसंवादों, अधिवेशनों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- विभिन्न विद्याओं में शिक्षण-प्रशिक्षण को प्रोन्नत करना और गवेषणा संबंधी कार्य किए जाने की व्यवस्था करना।
- सभी धर्मों, प्राचीन सभ्यताओं और संस्कृतियों के अध्ययन तथा गवेषणा-कार्य को प्रोत्साहित करना।
- परीक्षा संचालित करना, मानद उपाधियाँ एवं अन्य विशिष्टियाँ प्रदान करना।
- हिंदी को विश्वस्तरीय, गुणवत्तापूर्ण भाषा के रूप में स्थापित व प्रचलित करने में पूर्णतया सहयोग देना, व्यवस्था करना, प्रचारित-प्रसारित करना, इस विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है।
- ऐसे समस्त कार्य करना, जो विश्वविद्यालय के समस्त या किन्हीं उद्देश्यों को प्राप्त करने में आनुषांगिक, आवश्यक और सहायक हों।



अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से चिकित्सा उत्कृष्टता के क्षेत्र में स्वरोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम एक सकारात्मक पहल:-

सम्पूर्ण भारत में पहली बार शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से बुनियादी चिकित्सा पाठ्यक्रम हिन्दी में आरंभ किये हैं इसके अर्न्तगत आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण डिप्लोमा, प्राथमिक चिकित्सा उपचार, अस्पताल प्रबन्धन, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक डिप्लोमा एवं आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण पी. जी. डिप्लोमा प्रमुख हैं। इसके साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय में सामुदायिक कल्याण केन्द्र 13 जुलाई 2021 को आरंभ किया गया, जिसका लोकार्पण माननीय डॉ. मोहन यादव (उच्च शिक्षा मंत्री म.प्र. शासन) की अध्यक्षता, माननीय श्री विश्वास सारंग (चिकित्सा शिक्षा मंत्री म.प्र. शासन) के मुख्य आतिथ्य, माननीय श्री रामेश्वर शर्मा (विधायक) माननीय श्री उमाशंकर गुप्ता (पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री म.प्र. शासन) के विशिष्ट आतिथ्य की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। ये बुनियादी चिकित्सा पाठ्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत एक सुदृढ़ स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजना के रूप में विकसित किया गया है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य रोजगार प्रदान करना तो है ही साथ ही चिकित्सा उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक सकारात्मक पहल भी है। प्रशिक्षित स्वास्थ्य सहायकों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी पिछड़े क्षेत्रों में सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सके, इसलिए इस तरह के उपयोगी पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। उपरोक्त नवीन पाठ्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। वर्षों से ग्रामीण एवं शहरी पिछड़े क्षेत्रों में अप्रशिक्षित लोग स्वास्थ्य सेवायें प्रदान कर रहे हैं इन बुनियादी चिकित्सा पाठ्यक्रमों के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित कर इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया ही जायेगा और साथ ही ऐसे लोगों को प्रशिक्षित कर कोरोना जैसी भयानक महामारी एवं प्राकृतिक आपदाओं में सहयोग भी लिया जायेगा एवं ससम्मान पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों द्वारा बुनियादी चिकित्सा सेवायें प्रदान कर सकेंगे।

अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश प्रक्रिया-

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्रों में समस्त पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया MP Online पोर्टल के माध्यम से की जावेगी। पाठ्यक्रमानुसार निर्धारित आवेदन शुल्क, नामांकन शुल्क, शिक्षण शुल्क एवं परीक्षा शुल्क MP Online पोर्टल के माध्यम से जमा की जावेगी। विद्यार्थी समस्त शुल्कों की रसीद MP Online के माध्यम से प्राप्त कर सकेगा।

विश्वविद्यालय की दृष्टि:-

विश्वविद्यालय एक ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण करना चाहता है जो समग्र व्यक्तित्व के विकास के साथ रोजगार-कौशल व चारित्रिक-दृष्टि से विश्वस्तरीय हो। विश्वविद्यालय ऐसी शैक्षिक-व्यवस्था का सृजन करना चाहता है जो भारतीय ज्ञान-परंपरा तथा आधुनिक ज्ञान में समन्वय करते हुए छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में ऐसी सोच विकसित कर सके जो भारत केंद्रित होकर संपूर्ण सृष्टि के कल्याण को प्राथमिकता देने में समर्थ हो।



विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम

1. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

- एम.ए. हिंदी (साहित्य) ● एम.ए. संस्कृत ● एम.ए. राजनीति शास्त्र ● एम.ए. राजनीति शास्त्र ● एम.ए. अर्थशास्त्र ● एम.ए. समाजशास्त्र ● एम.ए. भूगोल ● एम.ए. संगीत (गायन) ● एम.ए. जनलिज्म एंड कम्युनिकेशन ● एम.ए. योग विज्ञान ● एम.ए. नाट्यकला ● एम.एस. डब्ल्यू समाज कार्य ● एम.ए.सी. (रसायन शास्त्र), भौतिक शास्त्र, गणित ● एम.ए.सी. संगणक विज्ञान ● एम.एस.सी. जैवविविधता संरक्षण एवं प्रबंधन ● एम.ए.सी. पर्यावरण प्रबंधन ● एम.ए.सी. योग विज्ञान ● एम.एफ.एस.सी. (मतस्य विज्ञान) ● एम.एफ.ए. चित्रकला ● एम. कॉम. वाणिज्य ● एम.लिब.एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) ● एल.एल.एम. एक वर्षीय ● एम.ए. शिक्षाशास्त्र

2. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)

3. स्नातक पाठ्यक्रम

- बी.ए. ● बी.एस.सी. (बायो समूह) ● बी.एस.सी. (गणित समूह) ● बी.कॉम ● बी.सी.ए. ● बी.बी.ए. ● बी.ए. (योग विज्ञान) ● बी.एस.सी. (योग विज्ञान) ● बी. ए. जर्नालिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन ● बी.लिब एक वर्षीय ● बी.एफ.ए. (पेंटिंग) चित्रकला ● (चार वर्षीय पाठ्यक्रम) ● बी.एड (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) (इसमें प्रवेश म.प्र. शासन के उच्च शिक्षा विभाग के नियमानुसार होगा)

4. एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

- पंचकर्म तकनीशियन

5. छह माह अवधि वाले प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

- वैदिक गणित ● अनुवाद ● आंतरिक सज्जा ● ज्योति विज्ञान ● योग प्रशिक्षक प्रशिक्षण ● पोषण आहार एवं प्राकृतिक चिकित्सा ● तकनीक एवं प्रबंधन ● पंचकर्म थिरेपिस्ट ● साइबर कानून एवं साइबर सुरक्षा ।

6. तीन माह अवधि वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- लोकगीत (गायन) ● लोकशिक्षण प्रशिक्षण ● पंचकर्म

7. 21 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- आलंकारिक मत्सस्य एवं जलशाला

8. विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केंद्रों में एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी डिप्लोमा) वार्षिक पद्धति पर आधारित

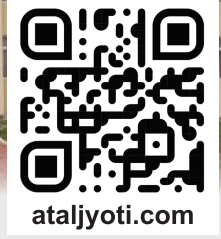
- आहारिकी एवं जन स्वास्थ्य प्रोषण ● अर्जलिज्म एण्ड कम्युनिकेशन ● संगणक अनुप्रयोग (पीजीडीए) ● होटल मैनेजमेंट एवं टरिज्म ● श्रीरामचरित मानस में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ● डिजास्टर मैनेजमेंट ● इंडस्ट्रियल सेफ्टी ● गारमेंट कनट्रक्शन एवं फैशन डिजाइनिंग ● आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण ● खेलों में चोट के निदान एवं प्रबंधन ● सायबर कानून (सेमेस्टर आधारित) ● पर्यावरणीय विधि (सेमेस्टर आधारित)

9. विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केंद्रों में पत्रोपाधि (डिप्लोमा) एक वर्षीय वार्षिक पद्धति पर आधारित

- फैशन अभिकल्पन (फैशन डिजाइनिंग) मतस्य एवं मतस्य की ● मशरूम उत्पादन तकनीकी एवं प्रबंधन ● प्राथमिक चिकित्सा उपचार ● प्राकृतिक फार्मा ● योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ● जैविक कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन ● संगणक अनुप्रयोग (डीसीए) ● लोक संगीत ● सुगम संगीत ● नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच ● फूड प्रोडक्शन ● हाउस कॉपिंग ● फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन्स ● फायर सेफ्टी एवं हजांड मैनेजमेंट ● बेकरी एवं कन्फेक्शनरी ● इण्डस्ट्रियल सेफ्टी ● हॉस्पिटल मैनेजमेंट ● फूड बेवरेज सर्विस ● होटल मैनेजमेंट ● आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण ● खेलों में चोट का निदान एवं प्रबंधन

10. नवीन पाठ्यक्रम

- अनुवाद (स्नातकोत्तर पत्रोपाधि) ● वैदिक गणित (पत्रोपाधि) ● इलेक्ट्रो होम्योपैथी (पत्रोपाधि)



यू.जी.सी. से मान्यता प्राप्त भारत का एक मात्र हिन्दी विश्वविद्यालय जिसमें समस्त डिग्री/डिप्लोमा हिन्दी माध्यम में संचालित किये जाते हैं, सभी डिग्री/ डिप्लोमा अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर मान्य

विश्वविद्यालय द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में हिन्दी माध्यम से संचालित स्वरोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम

1. आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण डिप्लोमा

आवश्यक दस्तावेज

10वीं अंकसूची , 12वीं अंकसूची (किसी भी विषय में) , पेन कार्ड /वोटर आई डी/ आधार कार्ड पासपोर्ट फोटो स्वयं के हस्ताक्षर सहित

उपरोक्त पाठ्यक्रम उपरान्त स्वरोजगार के रूप में आधुनिक चिकित्सा पद्धति एलोपैथी पर आधारित बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप सामान्य बीमारियों की जांच व उचित उपचार करना

2. प्राथमिक चिकित्सा उपचार

10वीं अंकसूची , 12वीं अंकसूची (किसी भी विषय में) , पेन कार्ड /वोटर आई डी/ आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो स्वयं के हस्ताक्षर सहित

उक्त प्रशिक्षण के उपरान्त स्वास्थ्य सहायक के रूप में कार्य कर सकेंगे तथा आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार व उपयुक्त चिकित्सा उपलब्ध करा सकेंगे एवं विभिन्न अस्पतालों, नर्सिंगहोम तथा स्वास्थ्य केंद्र आदि में कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे।

3. इलेक्ट्रो होम्योपैथी में डिप्लोमा

10वीं अंकसूची , 12वीं अंकसूची (किसी भी विषय में) , पेन कार्ड /वोटर आई डी/ आधार कार्ड पासपोर्ट फोटो स्वयं के हस्ताक्षर सहित

उपरोक्त पाठ्यक्रम उपरान्त स्वरोजगार के रूप में पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप इलेक्ट्रो होमोपैथी चिकित्सा पद्धति में उपचार करना

4. अस्पताल प्रबंधन डिप्लोमा

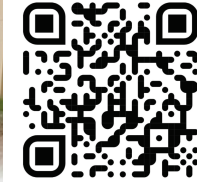
10वीं अंकसूची , 12वीं अंकसूची (किसी भी विषय में) , पेन कार्ड /वोटर आई डी/ आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो स्वयं के हस्ताक्षर सहित

उपरोक्त पाठ्यक्रम रोजगार के रूप में शासकीय एवं अशासकीय अस्पतालों के प्रबन्धन में सहायक होगा

5. आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण पी.जी. डिप्लोमा

10वीं अंकसूची, 12वीं अंकसूची (जीव विज्ञान), स्नातक अंकसूची, पेनकार्ड / वोटर आई डी/ आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो स्वयं के हस्ताक्षर सहित

उपरोक्त पाठ्यक्रम उपरान्त स्वरोजगार के रूप में आधुनिक चिकित्सा पद्धति एलोपैथी पर आधारित बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप सामान्य एवं आकस्मिक बीमारियों की जांच व उचित उपचार करना



QR For Admission



ataljyoti.com

विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केंद्रों के माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण डिप्लोमा (DIPLOMA IN BASIC HEALTH CARE)

पाठ्यक्रम	प्रवेश आवेदन शुल्क	शिक्षण शुल्क	नामांकन शुल्क	परीक्षा शुल्क	कुल राशि
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण पत्रोपाधि	500/-	25000/-	100/-	3100/-	28700/-

प्रवेश योग्यता - (10+2 कक्षा उत्तीर्ण) किसी भी विषय में

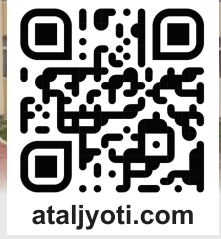
पाठ्यक्रम अवधि: एक वर्ष सिद्धांतिक अध्ययन एवं तीन माह का क्लीनिकल प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल/क्लीनिक द्वारा)

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रूप में कार्य कर जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा वहीं अस्पतालों में सहायक के रूप में कार्य कर मरीज को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहयोगी होगा।

आवश्यक प्रशिक्षण:

- मानव शरीर रचना विज्ञान एवं किया विज्ञान का आधारभूत प्रशिक्षण।
- मातृत्व और बाल स्वास्थ्य देखभाल एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम व परिवार कल्याण कार्यक्रम का प्रशिक्षण।
- जटिल बीमारियों एवं वृद्धों की देखभाल का प्रशिक्षण।
- विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिह्नित करने का प्रशिक्षण।
- जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया, रक्तअल्पता आदि का प्रशिक्षण।
- गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त समय पर उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण।
- चिकित्सकों के आदेशों के पालन हेतु प्रशिक्षण।
- सामान्य एवं संकामक बीमारियों का ज्ञान एवं बुनियादी चिकित्सा करने का प्रशिक्षण।
- प्राकृतिक आपदाओं के समय वैज्ञानिक तरीके से कार्य करने का प्रशिक्षण।
- भारत की विभिन्न पद्धतियों (आयुर्वेद, होम्योपैथ, आधुनिक, (एलोपैथ) प्राकृतिक योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों) का आधारभूत प्रशिक्षण।

बुनियादी चिकित्सा प्रशिक्षण उपरांत पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप सामान्य बीमारियों की जांच व विभिन्न पद्धतियों द्वारा उचित उपचार एवं जरूरत के हिसाब से मरीज को उच्च केंद्र में रेफर करना। व्यापक स्वास्थ्य देखभाल हेतु बुनियादी चिकित्सा सुविधा केंद्र स्थापित करना।



विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केंद्रों के माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण पी.जी.डिप्लोमा (P.G.DIPLOMA IN BASIC HEALTH CARE)

पाठ्यक्रम	प्रवेश आवेदन शुल्क	शिक्षण शुल्क	नामांकन शुल्क	परीक्षा शुल्क	कुल राशि
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण स्नातकोत्तर पत्रोपाधि	500/-	25000/-	100/-	3100/-	28700/-

प्रवेश योग्यता – (स्नातक उत्तीर्ण) जीव विज्ञान विषय में

पाठ्यक्रम अवधि: एक वर्ष सिद्धांतिक अध्ययन एवं तीन माह का क्लिनिकल प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल/क्लीनिक द्वारा)

261- रायसेन,

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रूप में कार्य कर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा वहीं अस्पतालों में सहायक के रूप में कार्य कर मरीज को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी सहयोगी होगा।

आवश्यक प्रशिक्षण:

306-मंदसौर, 309-खण्डवा, 310- सागर,

558-मुरैना, 559-टीकमगढ़, 560-रीवा,

562-अनूपपुर, 563-मंडला,

564-जबलपुर,

- मानव शरीर रचना विज्ञान एवं क्रिया विज्ञान का आधारभूत प्रशिक्षण।
- मातृत्व और बाल स्वास्थ्य देखभाल एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम व परिवार कल्याण कार्यक्रम का प्रशिक्षण।
- जटिल बीमारियों एवं वृद्धों की देखभाल का प्रशिक्षण।
- विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिह्नित करने का प्रशिक्षण।
- जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया, रक्तअल्पता आदि का प्रशिक्षण।
- गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त समय पर उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण।
- चिकित्सकों के आदेशों के पालन हेतु प्रशिक्षण।
- सामान्य, संक्रामक एवं आकस्मिक बीमारियों का ज्ञान एवं बुनियादी चिकित्सा करने का प्रशिक्षण।
- प्राकृतिक आपदाओं के समय वैज्ञानिक तरीके से कार्य करने का प्रशिक्षण।
- भारत की विभिन्न पद्धतियों (आयुर्वेद, होम्योपैथी, आधुनिक, (एलोपैथी) प्राकृतिक योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों) का बुनियादी प्रशिक्षण।

बुनियादी चिकित्सा प्रशिक्षण उपरांत पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप सामान्य, संक्रामक एवं आकस्मिक बीमारियों की जांच व विभिन्न पद्धतियों द्वारा उचित उपचार एवं जरूरत के हिसाब से मरीज को उच्च केंद्र में रेफर करना। व्यापक स्वास्थ्य देखभाल हेतु बुनियादी चिकित्सा सुविधा केंद्र स्थापित करना।



QR For Admission

ataljyoti.com

विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केंद्रों के माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा (DIPLOMA IN ELECTRO HOMEOPATHY)

पाठ्यक्रम	प्रवेश आवेदन शुल्क	शिक्षण शुल्क	नामांकन शुल्क	परीक्षा शुल्क	कुल राशि
इलेक्ट्रो होम्योपैथी पत्रोपाधि	500/-	25000/-	100/-	3100/-	28700/-

प्रवेश योग्यता - (10+2 कक्षा उत्तीर्ण) किसी भी विषय में

पाठ्यक्रम अवधि: एक वर्ष सिद्धांतिक अध्ययन एवं तीन माह का क्लीनिकल प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल/क्लीनिक द्वारा)

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रूप में कार्य कर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा वहीं अस्पतालों में सहायक के रूप में कार्य कर मरीज को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहयोगी होगा।

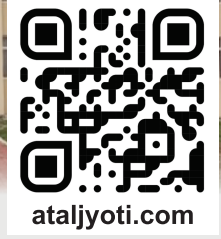
आवश्यक प्रशिक्षण:

306-मंदसौर, 309-खण्डवा, 310- सागर,

558-मुरैना, 559-टीकमगढ़, 560-रीवा,

1. शरीर रचना एवं शरीर किया विज्ञान का प्रशिक्षण।
2. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मटेरियल मेडिका एवं फार्मैसी का प्रशिक्षण।
3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाली बीमारियों का प्रशिक्षण।
4. स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित संपूर्ण प्रशिक्षण।
5. विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिन्हित करने का प्रशिक्षण।
6. जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया, रक्तअल्पता आदि का प्रशिक्षण।
7. गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण।
8. जटिल बीमारियों एवं वृद्धों की देखरेख का प्रशिक्षण।
9. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का प्रशिक्षण।

बुनियादी चिकित्सा प्रशिक्षण उपरांत पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप सामान्य, संक्रामक बीमारियों की जांच व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति द्वारा उचित उपचार एवं जरूरत के हिसाब से मरीज को उच्च केंद्र में रेफर करना। व्यापक स्वास्थ्य देखभाल हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा सुविधा केंद्र स्थापित करना।



विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केंद्रों के माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम प्राथमिक चिकित्सा उपचार डिप्लोमा (DIPLOMA IN FRIST AID TREATMENT)

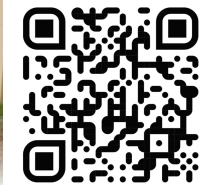
पाठ्यक्रम	प्रवेश आवेदन शुल्क	शिक्षण शुल्क	नामांकन शुल्क	परीक्षा शुल्क	कुल राशि
प्राथमिक चिकित्सा उपचार पत्रोपाधि	500/-	25800/-	100/-	3100/-	29500/-

प्रवेश योग्यता - (10+2 कक्षा उत्तीर्ण) किसी भी विषय में
पाठ्यक्रम अवधि: एक वर्ष सिद्धांतिक अध्ययन

उक्त प्रशिक्षण के उपरांत स्वास्थ्य सहायक के रूप में कार्य कर सकेंगे तथा स्वास्थ्य जागरूकता, स्वास्थ्य पर्यावरण, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य विज्ञान और आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार व उपयुक्त चिकित्सा उपलब्ध करा सकेंगे एवं विभिन्न अस्पतालों, नर्सिंगहोम तथा स्वास्थ्य केंद्र आदि में कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे।

आवश्यक प्रशिक्षण:

- मानव शरीर विज्ञान तथा किया विज्ञान का आधारभूत प्रशिक्षण।
- स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण का प्रशिक्षण।
- सामान्य, संक्रामक एवं जीवन शैली संबंधित रोगों सहित आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले उपायों तथा रोगों की रोकथाम का प्रशिक्षण।
- प्राथमिक उपचार, औषधि विज्ञान तथा दवाओं के दुष्प्रभावों का व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा ग्रामीण क्षेत्रों, अस्पतालों, नर्सिंग होमों तथा स्वास्थ्य केन्द्रों आदि में जन समुदाय को उपयुक्त देखरेख/सेवा उपलब्ध कराने का प्रशिक्षण।
- परिवार नियोजन तथा टीकाकरण सहित मातृत्व व बाल स्वास्थ्य पर स्वास्थ्य और आपातकालीन स्थितियों में उपयुक्त प्राथमिक उपचार प्रदान करने का प्रशिक्षण।



QR For Admission



ataljyoti.com

विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केंद्रों के माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम अस्पताल प्रबंधन डिप्लोमा (DIPLOMA IN HOSPITAL MANAGEMENT)

पाठ्यक्रम	प्रवेश आवेदन शुल्क	शिक्षण शुल्क	नामांकन शुल्क	परीक्षा शुल्क	कुल राशि
हॉस्पिटल मैनेजमेंट पत्रोपाधि	500/-	25800/-	100/-	3100/-	29500/-

प्रवेश योग्यता- (10+2 कक्षा उत्तीर्ण) किसी भी विषय में

पाठ्यक्रम अवधि: एक वर्ष सिद्धांतिक अध्ययन एवं 6 माह का क्लीनिकल प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल/नर्सिंग होम द्वारा)

उपरोक्त पाठ्यक्रम के पश्चात रोजगार के रूप में शासकीय एवं अशासकीय अस्पतालों के प्रबंधन में सहायक होगा
261- रायसेन,
308- भोपाल, 307- विदिशा,

आवश्यक प्रशिक्षण:

306-मंदसौर, 309-खण्डवा, 310- सागर,

558-मुरैना, 559-टीकमगढ़, 560-रीवा,

562- अनूपपुर, 563-मंडला,

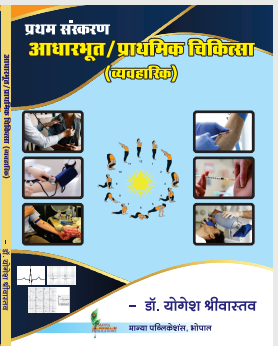
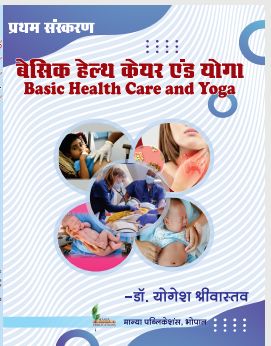
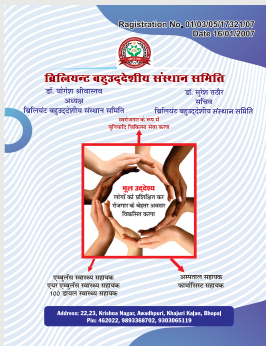
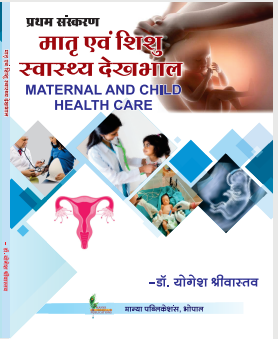
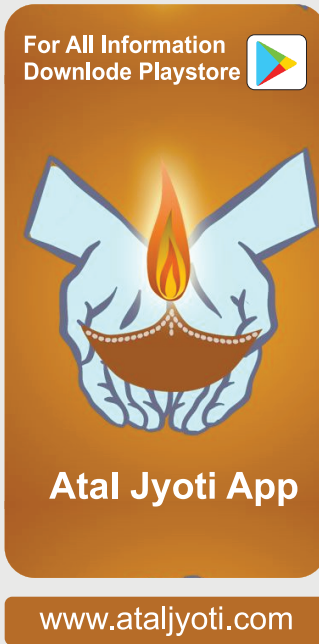
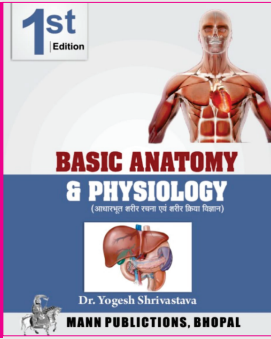
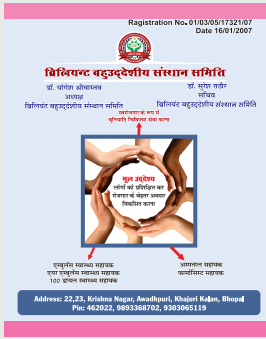
564- जबलपुर,

565- राजगढ़

1. प्रबंधन विज्ञान, परिवहन, ट्रांसशिपमेंट और रोजमर्रा की समस्याओं की मूल अवधारणाओं का प्रशिक्षण।
2. व्यावसायिक संगठन, व्यापक समाज, जनसंपर्क, अभियान विकास, मीडिया संबंध, कॉर्पोरेट पहचान और नैतिक और पेशेवर व्यवहार के पेशेवर अभ्यास का प्रशिक्षण।
3. सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – संचार कौशल का प्रशिक्षण।
4. मानव के शारीरिक विज्ञान का मूलधार का प्रशिक्षण।
5. व्यवहार का जैविक आधार, संवेदना और धारणा, प्रेरणा, सीखने और स्मृति, व्यक्तित्व की परिपक्वता और व्यक्तित्व का विकास, सामाजिक मनोविज्ञान, जैविक आधार, आधुनिक समाज में वैयक्तिक और सामाजिक विकास, स्वधारणा की प्रगल्भता के प्रभावी कारक, सशक्त अंतरवैयक्तिक संबंध, संवेदना व दबाव का संरचनात्मक प्रबंधन, अयुक्तता का निवारण: शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, मानसिक विकास पर प्रभाव डालने वाले जैविक और पर्यावरणीय घटक, व्यक्ति में जन्म से मृत्यु तक भाषा का विकास का प्रशिक्षण।
6. वित्तीय लेखांकन और प्रबंधन – लेजर और ट्रायल बैलेंस शीट निर्माण, लेखा की अवधारणाएं, सरल वित्तीय लेखा का निर्माण, समायोजन के साथ अंतिम लेखांकन, वित्तीय कथनों की समझ व विश्लेषण, निधि फ्लो कथन स्टेटमेंट एवं लागतों का वर्गीकरण का प्रशिक्षण।



विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र ब्रिलियंट बहुउद्देशीय संस्थान समिति द्वारा उपलब्ध पाठ्यक्रमों अनुसार पाठ्य सामग्री



शासकीय अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से संचालित मेडिकल कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया में सहायक साथ में कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति एडमीशन प्रभारी एवं प्रचार प्रसार प्रभारी बनने हेतु सम्पर्क करें

ब्रिलियन्ट बहुउद्देशीय संस्थान समिति

8 आधार शिला, अवधपुरी पुलिस थाना के पास, 80 फिट रोड, अवधपुरी, भोपाल

अधिक जानकारी हेतु संपर्क- 0755-4249082, 8839381223, 6264702103, 9691517151, 8989612956, 8839151913, 9981395906, 9109021037, 9171461037